Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 22.11.17

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

22.11.17
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication)

Director – TD

23/11

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

1
Covering L., YIS

News item/letter/article/editorial published on 22/11/17 in the

Hindustan Times	Nav Bharat Times (Hindi)	M.P.Chronicle
Statesman	Punjab Keshari (Hindi)	A a j (Hindi)
The Times of India (N.D.)	The Hindu	Indian Nation
Indian Express	Rajasthan Patrika (Hindi)	Nai Duniya (Hindi)
Tribune	Deccan Chronicle	The Times of India (A)
Hindustan (Hindi)	Deccan Herald	Blitz

... Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

खूनी नहर : दिल्ली-हरियाणा में फंसी दीवार

नव-23-11-17

शमसे आलम, बाहरी दिल्ली : मुनक नहर। इस नहर में हर साल 40 से 50 लोग डूब जाते हैं। लोगों की हिफाजत के लिए हरियाणा सरकार और दिल्ली सरकार ने योजना बनाई थी। लंबे समय के बाद भी योजना कागजों में ही लिपटी है। काम शुरू नहीं हो सका है।

हरियाणा के करनाल के मुनक गांव से लेकर दिल्ली के हैदरपुर तक मुनक नहर की लंबाई 102 किलोमीटर है। दिल्ली में इस नहर का करीब 15 किलोमीटर का हिस्सा बवाना, समयपुर बादली, नरेला, रोहिणी इलाके में पड़ता है। इस नहर में अक्सर हादसे होते रहते हैं। ऐसे में अब इस नहर की पहचान खूनी नहर के रूप में हो गई है। स्थानीय लोगों की माने तो मूर्ति विसर्जन, नहाने और कभी वाहन समेत नहर में गिरने से लोग हादसे का शिकार हो रहे हैं। कई जगहों पर गाड़ी ड्राइवरों की थोड़ी सी भी लापरवाही जान पर भारी पड़ती है। नहर के किनारे रोशनी का कोई प्रबंध नहीं है। लोगों का कहना है कि जिस समय नहर का निर्माण कराया गया था, उस समय सुरक्षा को लेकर कोई खास इंतजाम नहीं किए गए थे। खामियाजा राहगीरों को उठाना पड़ रहा है।

सुरक्षा की मांग को लेकर स्थानीय निवासी संबंधित विभाग के सामने प्रमुखता से उठाते रहे हैं। बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं, वहीं दो राज्यों के बीच बताकर पल्ला झाड़ ले रहे हैं।

Photos : Shamse Alam

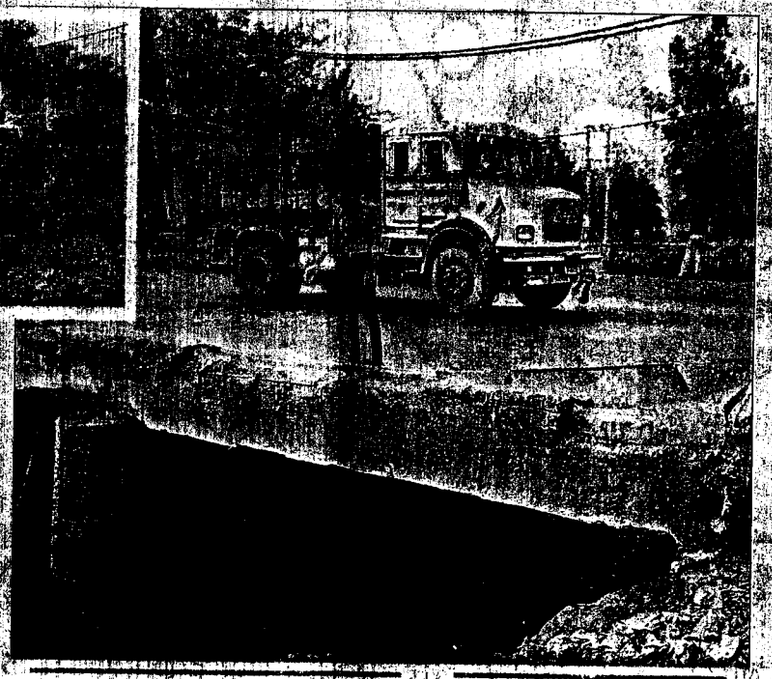

बजट को लेकर नहीं हो पाया फैसला

पिछले साल उत्तरी दिल्ली की जिलाधिकारी ने पहल करते हुए नहर के दोनों किनारे दीवार घेरने और जाली लगाने की योजना तैयार की थी। इसके लिए हरियाणा सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग और दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों की बैठक में योजना की रूपरेखा तैयार की थी। इस बैठक में सहमति बनी थी कि क्रियान्वयन हरियाणा सरकार का सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग और बजट की राशि दिल्ली सरकार मुहैया कराएगी। बजट संबंधी स्वीकृति के लिए योजना की फाइल को दिल्ली सरकार के पास भेजी गई थी, लेकिन यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई।

पुलिया पर नहीं है रेलिंग, नहर में गिर जाते हैं लोग

एनबीटी न्यूज, बाहरी दिल्ली : बवाना स्थित मुनक नहर पर बनी पुलिया पर आए दिन हादसे हो रहे हैं। पुलिया पर रेलिंग नहीं होने से यहां से गुजरनेवाले दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। शिकायत के बाद भी संबंधित विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मुनक नहर हनुमान मंदिर के पास यह खतरनाक पुलिया है। रोहतक रोड, एनएच-1, नरेला, बवाना की ओर जाने वाले लोग इस पुलिया का उपयोग करते हैं। इस खतरनाक पुलिया पर न तो संकेतक है और न ही रेलिंग लगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इस पुलिया पर छोटी-मोटी दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कई लोग तो बाइक सहित इस पुलिया से गिरकर घायल हो चुके हैं। लेकिन गनीमत है कि अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। पहले भी इस जानलेवा पुलिया पर से कई वाहन अनियंत्रित होकर गिर चुके हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बाइक चलानेवालों को हो रही है। अचानक नियंत्रण बिगड़ने से और रात के अंधेरे में पुलिया से गिर रहे हैं। रात के समय सामने से आने वाले वाहन की तेज रोशनी में पुलिया दिखाई नहीं देती है। रख-रखाव न होने की वजह से यह पुलिया भी जर्जर हो चुकी है।

"पुलिया पर रेलिंग न होने से यहां से निकलने वाले वाहन कई बार अनियंत्रित हो कर नहर में जा गिरते हैं। इस समस्या को लेकर कई बार शिकायतें की जा चुकी है, बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

सुखवीर भारद्वाज, घोघा गांव

"संबंधित विभाग को किसी बड़ी घटना का इंतजार है। संबंधित विभाग के सुस्त रवैये का खामियाजा राहगीरों को उठाना पड़ रहा है।

विकास, बवाना

"रेलिंग न होने के साथ-साथ पुलिया की हालत भी जर्जर है। लंबे समय से रख-रखाव न होने की वजह से पुलिया जर्जर हो चुकी है। रेलिंग बनाने के साथ-साथ पुलिया की मरम्मत का काम भी होना चाहिए।

विजय, नरेला

News item/letter/article/editorial published on 23/11/2017 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

चम्बल जल विवाद

पानी के लिए एमपी बना रहा दबाव

23-11-17

पत्रिका न्यूज पंच

कोटा. मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग द्वारा गांधी सागर से लगातार 22 हजार क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। साथ ही, मांग के मुताबिक पानी उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान के सीएडी प्रशासन से लगातार सम्पर्क किया जा रहा है। पहले तो मध्यप्रदेश जल संसाधन विभाग द्वारा पार्वती एक्वाडक्ट पर 3900 क्यूसेक पानी की मांग की जा रही थी। धीरे-धीरे एमपी ने मांग घटाकर 3400, 3200 और अब 3000 क्यूसेक कर दी। इसकी एवज में सीएडी प्रशासन द्वारा दाईं मुख्य नहर से पार्वती एक्वाडक्ट पर 2830 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

मांग के मुताबिक पानी उपलब्ध करवाएंगे

मध्यप्रदेश की 3000 क्यूसेक पानी की मांग आ रही है। इसकी एवज में 2830 क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। राजस्थान के जो किसान पलेवा कर चुके हैं, उन क्षेत्रों की नहरें बंद कर एमपी को पानी दिया जा रहा है। जल्द ही एमपी को मांग के मुताबिक पानी उपलब्ध करवा दिया जाएगा।

एस.के. सामारिया, अधीक्षण अभियंता, सीएडी सिंचाई खंड

गांधी सागर से 15700 क्यूसेक निकासी

गांधी सागर बांध से लगातार 22000 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। ऐसे में राणा प्रताप सागर बांध का जल स्तर नियंत्रित करते हुए जल संसाधन विभाग द्वारा 15700 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। इससे जवाहर सागर व कोटा बैराज का जल स्तर नियंत्रित करते हुए दाईं मुख्य नहर में 6225, बाईं मुख्य नहर में 1500 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।